



## आभासी डजिटल परसिंपत्तिका वनियिमन

### प्रलिमिंस के लयि:

PMLA, VDA, करपिटोकरेंसी, फरिट मुद्रा ।

### मेन्स के लयि:

आभासी डजिटल परसिंपत्तिका वनियिमन करना ।

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में वतित्त मंत्रालय ने **धन शोधन रोधी प्रावधानों (Anti-money Laundering provisions)** का दायरा **आभासी डजिटल परसिंपत्तिका (Virtual Digital Assets- VDA)** व्यवसायों एवं सेवा प्रदाताओं तक बढ़ा दिया है ।

- मंत्रालय ने अधनियिम के तहत VDA और करपिटोकरेंसी से संबंधित गतविधियों को शामिल कर **धन शोधन नवारण अधनियिम (Prevention of Money Laundering Act- PMLA), 2002** का दायरा बढ़ाया है ।

## PMLA 2002 के तहत VDA को शामिल करने की प्रकरया:

- वसित्तरति गतविधियाँ:**
  - VDA और **फरिट मुद्राओं** के बीच वनियिम (केंद्र सरकार द्वारा कानूनी नविदि) ।
  - VDA के एक या अधिक रूपों के बीच आदान-प्रदान ।
  - VDA का स्थानांतरण ।
  - VDAs या VDA पर नयित्रण को सक्षम करने वाले उपकरणों की सुरक्षा या प्रशासन ।
  - जारीकरत्ता की पेशकश और VDA की बकिरी से संबंधित वतित्तीय सेवाओं में भागीदारी एवं प्रावधान ।
- अब VDA को **वतित्तीय खुफिया इकाई-भारत (Financial Intelligence Unit-India- FIU-IND)** के साथ एक रपिोर्टगि इकाई के रूप में पंजीकृत होना होगा ।
  - FIU-IND संयुक्त राज्य अमेरिका में FinCEN के समान कार्य करती है । वतित्त मंत्रालय के तहत इसे वर्ष 2004 में संदगिध वतित्तीय लेन-देन से संबंधित जानकारी प्राप्त करने, वशिलेण एवं प्रसारति करने हेतु नोडल एजेंसी के रूप में स्थापति कया गया था ।
  - उदाहरण के लयि CoinSwitch जैसे रपिोर्टगि इकाई प्लेटफॉर्म अब नो योर कस्टमर, सभी लेन-देन रकिॉर्ड एवं नगिरानी करने तथा कसिी भी संदगिध गतविधिका पता चलने पर FIU-IND को रपिोर्ट करने के लयि अधकृत है ।
- वैश्वकि दशिा-नरिदेशों के अनुरूप:** यह **अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** और **वतित्तीय काररवाई कार्य बल (FATF)** द्वारा जोखमि को कम करने हेतु नरिदेशति वैश्वकि दशिा-नरिदेशों के अनुरूप है ।
  - FATF के पास वर्रुअल एसेट सर्वसि प्रोवाइडरर्स (VASPs) की व्यापक परभिषा के साथ-साथ बचौलयियों, दलालों, एक्सचेंजों, कस्टोडियन, हेज फंड और यहाँ तक कि खनन नकियायों को सम्मलिति करने वाली एक व्यापक सूची है ।
  - इस तरह के दशिा-नरिदेश वर्रुअल डजिटल एसेट इकोससिस्टम के नयिमन और नरिीक्षण में VASP की भूमिका को स्वीकार करते हैं ।

## पहल का महत्त्व और उससे संबंधित चतिारें:

- महत्त्व:**
  - इस तरह के नयिम पहले से ही बैंकों, वतित्तीय संस्थानों और प्रतभूतियों तथा अचल संपत्तिसंबंधी बाजारों में कुछ मध्यस्थों पर लागू होते हैं ।

- इसे वरुचुअल डजिटल परसिंपत्तयिों तक वसितारति करने से इस प्लेटफॉर्म को अधकि सतरकता से नगिरानी करने और कदाचार के खलिाफ कार्रवाई करने में मदद मलिगी ।
- ऐसे मानदंडों का मानकीकरण भारतीय वरुचुअल डजिटल परसिंपत्तक्षेत्र को पारदर्शी बनाने में काफी मदद करेगा ।
- यह पारसिंपत्तिकी तंत्र में वशिवास स्थापति करेगा और सरकार को वरुचुअल डजिटल परसिंपत्तलिेन-देन पर अधकि नगिरानी करने में मदद करेगा जो सभी के लयिे फायदेमंद होंगा ।

■ चतिाएँ:

- एक केंद्रीकृत नियामक की अनुपस्थतिमें VDA संस्थाओं को [परवरतन नदिशालय](#) जैसे अभकिरणों के साथ सीधे वयवहार

